सीमा सड़क परिवहन दल

8136. श्री रघुवीर सिंह शास्त्री : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जनरल रिजर्व इंजीनियर दल की 21–22 कम्पनियां 15वें सीमा सड़क परिवहन दल के अधीन काम कर रही हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि कभी नागा लोग इन कम्पनियों में काम करने वाले लोगों के साथ मार पिटाई और लूटमार करते हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि इन कम्पनियों को अपनी रक्षा करने के लिए कोई हथियार नहीं दिये गये हैं ; और

(घ) यदि हां, तो इन कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री ब० रा० भगत): (क) 15 बार्डर रोड्ज़ टास्क फोर्स की 27 तकनीकी और प्रशासनिक यूनिटें हैं ।

(ख) इस कारण प्रायः कोई कठिनाई नहीं है । तदपि, 8 जून, 1967 से 4 मामलों की रिपोर्ट मिली है, कि जिनमें सशस्त्र नागाओं ने सीमा सड़कों के शिविरों को लूटा है, या लूटने का यत्न किया है ।

(ग) जी० आर० ई० एफ० एक असैनिक दल है, और साधारणतः सेविवर्ग सशस्त्र नहीं होते । परन्तु जी० आर० ई० एफ० के कुछ सेविवर्ग को (जो भूतपूर्व सैनिक हैं) रक्षा के लिए हथियार दिये गये हैं ।

(घ) उनकी रक्षा के लिए, अगर आवश्यकता पड़े, स्थानीय सेना अधिकरणों से सम्पर्क बनाये रखा जाता है ।

Assets of Goan Company

8137. Shri Sequeira:
Shri Kameshwar Singh:

Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the assets of the Company 'Estaleiros Navais De Goa Sarl' are being utilized by the Mazagon Docks Ltd., and if so, for how many years;

(b) the liabilities of the said Company to its shareholders and its creditors;

(c) the extent to which these liabilities have been settled; and

(d) the action Government propose to take in the matter?

The Minister of State in the Ministry of Defence (Shri B. R. Bhagat): (a) 'Estaleiros Navais De Goa' has been on lease to Mazagon Dock Limited, Bombay, since 14th April, 1962.

(b) and (c). The share-holding of the Estaleiros Navais De Goa consists of 62,500 shares of Rs. 100 each. 51,990 of these shares are held by Government of India or Autonomous and Semi-autonomous Bodies under the Government of India or the Government of Goa, while 10,510 shares are held by private share-holders. According to the books of the old Company it had a liability of Rs. 4,55,255.00 to its creditors. The question of settlement of liabilities can only arise after the Company is re-activated.

(d) Steps are reactivate the Company are under examination.

Nepali Political Refugees in India

8138. Shri Baburao Patel: Will the Minister of External Affairs be pleased to state: